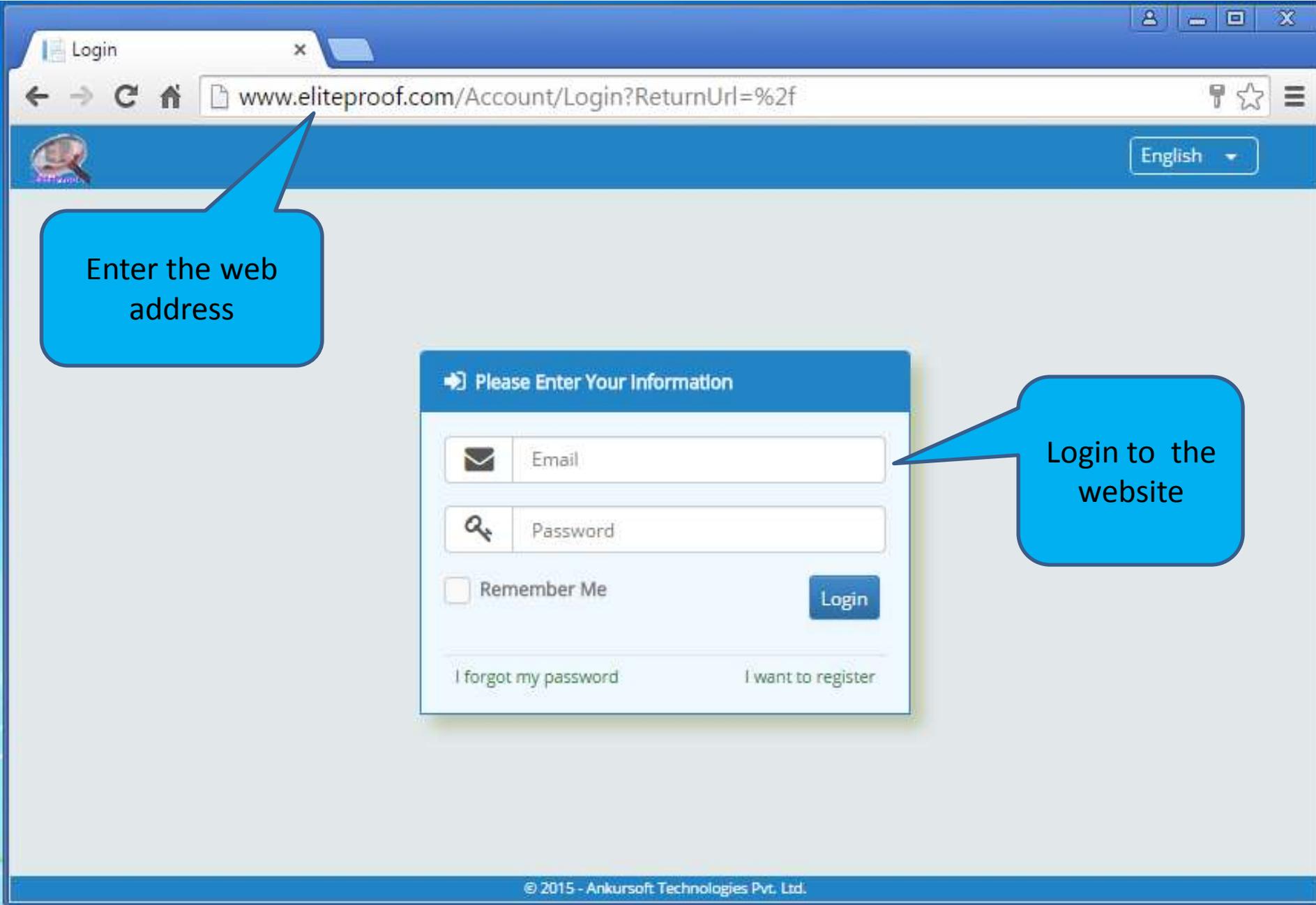


EliteProof

Proofing & Reviewing System

Proof Reviewing



Enter the web address

Login to the website

Login to the EliteProof web application

The screenshot shows a dashboard interface with a sidebar on the left containing navigation options: Dashboard, Projects, Tasks, Search, Reports, Manage, Logs, and Tools. The main content area has tabs for 'My Tasks (1)' and 'Shared Tasks (0)'. Below the tabs is a search bar with the text 'Document' and a 'Search' button. A table lists tasks with the following columns: Document, Version, Project, References, Process, Assigned Date, Due Date, Status, Pages, Comments, and Share. One task is listed: 'Kruti Dev 016 a75a286.docx' with version '1', project 'demo', 0 references, process 'ProofReviewing', assigned date '08/28/2015', due date '08/31/2015', status 'Assigned', and 12 pages. A share icon is visible in the 'Share' column for this task. Three callout boxes provide instructions: a yellow box points to the document name, and two blue boxes point to the 'ProofReviewing' process and the share icon respectively.

Document	Version	Project	References	Process	Assigned Date	Due Date	Status	Pages	Comments	Share
Kruti Dev 016 a75a286.docx	1	demo	0	ProofReviewing	08/28/2015	08/31/2015	Assigned	12		

Step 1: Click on the document to launch the application

Proof Reviewing task has been assigned

Also, proof review task can be shared with another user

Launching the ProofReview application from Dashboard

- Dashboard
- Projects
- Tasks
- Search
- Reports
- Manage
- Logs
- Tools

1

ईंट भट्टा उद्योग में पिसता मजदूर

भारत के सन्दर्भ में ईंटों का इतिहास मानव सभ्यता के विकास का हिस्सा माना जाता है। मोहनजोदाड़ों सभ्यता की खुदाई से भी यह प्रमाणित होता है। ईंटों का प्रयोग भवनों के निर्माण में किया जाता था। तत्पश्चात् समय और समाज के परिवर्तन के हिसाब से ईंटों के आकार व बनावट आदि में अनेकों तकनीकी परिवर्तन हुए हैं। विकास की वर्तमान अंधी व भौतिक दौड़ में ईंटों व पत्थरों के विशालकाय जंगल निरन्तर स्थापित किए जा रहे हैं। जिससे ना केवल मानव-जीवन का सन्तुलन प्रभावित हो रहा है बल्कि पर्यावरण, प्रकृति व कृषि पर भी विपरीत असर साफ देखा जा सकता है।

परम्परागत रूप में ईंट उद्योग देश के ग्रामीण क्षेत्रों और शहरों के आस-पास के क्षेत्रों में एक लघु उद्योग के बतौर स्थापित रहा है। जिसके अन्दर ना केवल मानव संसाधन का बल्कि प्राकृतिक संसाधनों का भी बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है। जैसे मिट्टी, पानी, कृषि भूमि, लकड़ी, कोयला, भूसा/तुड़ी आदि। पूंजीवादी विकास के विभिन्न आयामों के प्रभाव इस उद्योग के बदलते स्वरूप पर भी साफ देखे जा सकते हैं। हालांकि यह उद्योग कारखाना अधिनियम 1948 के अन्तर्गत आता है। यह एक सीजनल उद्योग है जो साल में 8-10 महिनें ही चलता है। असंगठित क्षेत्र का यह उद्योग बेहद ही असंगठित है। देशभर में इस असंगठित क्षेत्र के लिए केन्द्र सरकार ने 44 श्रम कानून बनाए व लागू किए हैं। जिन्में से इस उद्योग पर सीधे तौर पर

The assigned users with their proofs will be reflected in this section as Proof1, Proof2,..., Proof N.

InProgress V1

- Final
- Proof 1

ProofReview application displays proofing done by multiple users(Proof1, Proof2, Proof3 etc.)

1

ईट भट्टा उद्योग में पिसता मजदूर

भारत के सन्दर्भ में ईटों का इतिहास मानव सभ्यता के जाना जाता है। मोहनजोदाड़ों सभ्यता की खुदाई से भी यह प्रमाणित होता है कि उस समय भी भिन्न प्रकार की ईटों का प्रयोग भवनों के निर्माण में किया जाता था। तत्पश्चात् समय और समाज के परिवर्तन के हिसाब से ईटों के आकार व बनावट आदि में अनेकों तकनीकी परिवर्तन हुए हैं। विकास की वर्तमान अंधी व भौतिक दौड़ में ईटों व पथरों के विशालकाय जंगल निरन्तर स्थापित किए जा रहे हैं। जिससे ना केवल मानव-जीवन का सन्तुलन प्रभावित हो रहा है बल्कि पर्यावरण, प्रकृति व कृषि पर भी विपरीत असर साफ देखा जा सकता है।

परम्परागत रूप में ईट उद्योग देश के ग्रामीण क्षेत्रों और शहरों के आस-पास के क्षेत्रों में एक लघु उद्योग के बतौर स्थापित रहा है। जिसके अन्दर ना केवल मानव संसाधन का बल्कि प्राकृतिक संसाधनों का भी बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है। जैसे मिट्टी, पानी, कृषि भूमि, लकड़ी, कोयला, भूसा/तुड़ी आदि। पूंजीवादी विकास के विभिन्न आयामों के प्रभाव इस उद्योग के बदलते स्वरूप पर भी साफ देखे जा सकते हैं। हालांकि यह उद्योग कारखाना अधिनियम 1948 के अन्तर्गत आता है। यह एक सीजनल उद्योग है जो साल में 8-10 महिनें ही चलता है। असंगठित क्षेत्र का यह उद्योग बेहद ही असंगठित है। देशभर में इस असंगठित क्षेत्र के लिए केन्द्र सरकार ने 44 श्रम कानून बनाए व लागू किए हैं। जिन्में से इस उद्योग पर सीधे तौर पर

Step 2: Proof Reviewer can go through all the proofs one by one, either to approve or reject

Final

Proof 1

Page 1 Replacement Text
vinod@ankursoft.com : संभवतः किसी कानून को असल
4:43 PM Today Appro

Page 2 Highlight
Me : Change the sequence
4:01 PM Today

Page 4 Replacement Text
Me : भारत सरकार
4:07 PM Today

Page 7 Delete Text
Me : looks improper
4:17 PM Today
vinod@ankursoft.com : this should be translated into hindi
4:44 PM Today

Page 7 Insert After
Me : सन
4:19 PM Today

Page 8 Bold

Page 10 Highlight

Page 10 Highlight

- Dashboard
- Projects
- Tasks
- Search
- Reports
- Manage
- Logs
- Tools

हस्ता पास रट पर हाता ह जस इट बनान वाला पथर का एक हजार कच्चा इटा पर तयशुदा दर स मुगतान किया जाता है। अब ये एक हजार कच्ची ईट कितने समय में ... ससे उद्योग मालिक को कोई सरोकार नहीं उसे तो बस निर्धारित दर से ... मालिक अपनी पूरी लेबर को ना तो जानता है और ना ही पहचान तक मालूम नही कि उसके भट्टे पर कुल कितने श्रमिक कार्यरत है और इन्में कितने पुरुष व कितनी महिलाए है ?

एक ईट भट्ठा उद्योग पर 10 अलग-अलग तरह का काम क ... तरह के कार्यो मे संलग्न रहते है जिसको नीचे एक सारणी के माध्यम

क्र. सं.	श्रमिकों की कटेगरी	श्रमिकों की प्रक्रिया सीधे / जमादार / ठेकदार आदि के माध्यम से	भर्ती	काम की प्रकृति	वेतन मजदूरी के आधार पर या पीस रेट पर	अकला आदमा	कुल श्रमिक
1	पथर	जमादार के माध्यम से भर्ती	जो श्रमिक कच्ची ईटें बनाते है जिसमे जोट या समूह में		पीस रेट पर (1000 ईटों पर)	जोट-40	80

This change has been approved

This change has been rejected

Proof reviewer can click on approve or reject icon

InProgress V1

- Final
- Proof 1
 - Page 1 Replacement Text
 - Me: Approved
 - Page 2 Highlight
 - Me: Change the sequence
 - Me: Rejected
 - Page 4 Replacement Text
 - Me: भारत सरकार
 - Page 7 Delete Text
 - Me: looks improper
 - vinod@ankursoft.com: this should be translated into hindi
 - Page 7 Insert After
 - Me: सन
 - Page 8 Bold

User can approve or reject the annotation by clicking on the proper icon.

Dashboard

Projects

Tasks

Search

Reports

Manage

Logs

Tools

पीने से नहीं रोकती है बल्कि उसको पीने के लिए पैसे देती है ताकि उससे वो अपनी शारीरिक जरूरतें पूरी कर सकें नहीं तो आदमी इस कार्य में इतना थक जाता है कि वो पड़ते ही सो जाता है ।

श्रमिकों की मजदूरी का बड़ा हिस्सा ठेकेदारों के पास व नजदीक के गांव के झोला छाप डॉक्टर की जेब में जाता है। यह दावे के साथ कहा जा सकता है कि भट्टों पर ना केवल मरिदायों बल्कि एमएलए खून की कमी व कुपोषण का शिकार रहता है। जब श्रमिकों से यह पूछा गया कि सरकारी विभागों के कर्मचारी आते हैं तो उनका जवाब यह था कि हमारे

मालिकों से यही सवाल किया तो उनका कहना था कि सीजन में कम से कम श्रम, माइनिंग, खादय-आपूर्ति, पर्यावरण, स्वास्थ्य, प्रदुषण, टाउन प्लानिंग का खूब खातिरदारी करते हैं और जाते हुए उनकी जेबें भर देते हैं; वो भी खुश, और हम भी खुश। दरअसल तो ये एक ऐसी तिगड़ी है जिसमें सत्ता, प्रशासन व मालिक तीनों के हित गुथे हुए हैं। जिन जिलों में लाल झंडा भट्टा मजदूर यूनियन एक मजबूत संगठन के तौर पर है वहां रेट के इलावा भी इक्का-दुक्का सुविधाएं श्रमिकों को दिलाने में कामयाबी मिली है। जिनके लिए बार-बार संघर्ष लड़ने पड़े हैं। मालिकों व इनके गुंडों की सीधी हिंसा का शिकार भी जिलों पर यूनियन के लोग बन रहे हैं।

निष्कर्षतः श्रम कानूनों के मध्येनजर यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि ईट भट्टों पर जमीनी स्तर पर मूल भावना के साथ कोई भी श्रम कानून लागू नहीं किए गए हैं। एक ईट भट्टा मालिक श्रम कानूनों के प्रावधानों को न लागू कर व श्रमिकों को उनके मूल अधिकारों से वंचित रख, उपर्युक्त गणनाओं के आधार पर लगभग 27800000 रुपए अपनी जेब में भर रहे हैं। जबकि कानून इन पर पूर्णतः श्रमिकों का एकाधिकार बनता है। उपर्युक्त आकड़ा एक भट्टों का एवं एक सीजन का है। इस राशि को यदि हम पूरे

Step 3: Similarly, proof review for all the proofers tasks

Task	Status	Time
Final		
Proof 1		
Me : Approved	✓	4:19 PM Today
Me: Approved	✓	4:36 PM Today
Page 8 Bold	✓	
Me: Approved	✓	4:36 PM Today
Page 10 Highlight	✗	
Me: Rejected	✗	4:36 PM Today
Page 10 Highlight	✗	
Me: Rejected	✗	4:57 PM Today
Page 11 Pencil	✓	
Me : grammatical mistake	✗	4:27 PM Today
Me: Approved	✓	4:57 PM Today
Page 11 Rectangle	✓	
Me: Approved	✓	4:57 PM Today
Page 11 Arrow	✓	
Me : above passage should be placed at last	✗	4:30 PM Today
Me: Approved	✓	4:57 PM Today

Dashboard

Projects

Tasks

Search

Reports

Manage

Logs

Tools

100

0

1/12

Q

InProgress

V1

Print

Comment

Close

Final

Proof 1

Page 1 Replacement Text
vinod@ankursoft.com : संभवतः किसी कानून को असल
4:43 PM Today

Page 4 Replacement Text
Me : भारत सरकार
4:07 PM Today

Page 7 Delete Text
Me : looks improper
4:17 PM Today

vinod@ankursoft.com : this should be translated into hindi
4:44 PM Today

Page 7 Insert After
Me : सन
4:19 PM Today

Page 8 Bold

Page 11 Pencil
Me : grammatical mistake
4:27 PM Today

Page 11 Rectangle

Page 11 Arrow
Me : above passage should be place

Step 4: Click on Final to view the approved items of all the proofer

ईट भट्टा उद्योग में पिसता मजदूर

भारत के सन्दर्भ में ईटों का इतिहास मानव सभ्यता के इतिहास से जुड़ा हुआ माना जाता है। मोहनजोदाड़ों सभ्यता की खुदाई से भी यह प्रमाणित होता है कि उस समय भी भिन्न प्रकार की ईटों का प्रयोग भवनों के निर्माण में किया जाता था। तत्पश्चात् समय और समाज के परिवर्तन के हिसाब से ईटों के आकार व बनावट आदि में अनेकों तकनीकी परिवर्तन हुए हैं। विकास की वर्तमान अंधी व भौतिक दौड़ में ईटों व पत्थरों के विशालकाय जंगल निरन्तर स्थापित किए जा रहे हैं। जिससे ना केवल मानव-जीवन का सन्तुलन प्रभावित हो रहा है बल्कि पर्यावरण, प्रकृति व कृषि पर भी विपरीत असर साफ देखा जा सकता है।

परम्परागत रूप में ईट उद्योग देश के ग्रामीण क्षेत्रों और शहरों के आस-पास के क्षेत्रों में एक लघु उद्योग के बतौर स्थापित रहा है। जिसके अन्दर ना केवल मानव संसाधन का बल्कि प्राकृतिक संसाधनों का भी बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है। जैसे मिट्टी, पानी, कृषि भूमि, लकड़ी, कोयला, भूसा/तुड़ी आदि। पूंजीवादी विकास के विभिन्न आयामों के प्रभाव इस उद्योग के बदलते स्वरूप पर भी साफ देखे जा सकते हैं। हालांकि यह उद्योग कारखाना अधिनियम 1948 के अन्तर्गत आता है। यह एक सीजनल उद्योग है जो साल में 8-10 महिनें ही चलता है। असंगठित क्षेत्र का यह उद्योग बेहद ही असंगठित है। देशभर में इस असंगठित क्षेत्र के लिए केन्द्र सरकार ने 44 श्रम कानून बनाए व लागू किए हैं। जिन्में से इस उद्योग पर सीधे तौर पर

Final displays all the approved comments and new comments.

पीने से नहीं रोकती है बल्कि उसको पीने के लिए पैसे देती है ताकि उससे वो अपनी शारीरिक जरूरत पूरी कर सके नहीं तो आदमी इस कार्य में इतना थक जाता है कि वो पड़ते ही सो जाता है ।

श्रमिकों की मजदूरी का बड़ा हिस्सा ठेकेदारों के पास व नजदीक के गांव के झोला छाप डॉक्टर की जेब में जाता है। यह दावे के साथ कहा जा सकता है कि भट्टे पर ना केवल महिलाएं बल्कि पूरा परिवार खून की कमी व कुपोषण का शिकार रहता है। जब श्रमिकों से यह पूछा गया कि आपके पास कौन-कौन से सरकारी विभागों के कर्मचारी आते हैं तो उनका जवाब यह था कि हमारे पास कोई नहीं आता है ? जब मालिकों से यही सवाल किया तो उनका कहना था कि सीजन में कम से कम एक बार हर विभाग से जैसे श्रम, माइनिंग, खाद्य-आपूर्ति, पर्यावरण, स्वास्थ्य, प्रदुषण, टाउन प्लानिंग वाले अधिकारी आते हैं। हम उनकी खुब खातिरदारी करते हैं और जाते हुए उनकी जेबे भर देते हैं, वो भी खुश, और ये एक ऐसी तिगड़ी है जिसमें सत्ता, प्रशासन व मालिक तीनों के हित गुंथे हुए भट्टा मजदूर यूनियन एक मजबूत संगठन के तौर पर है वहां रेट के इलाके में श्रमिकों को दिलाने में कामयाबी मिली है। जिनके लिए बार-बार संघर्ष लड़ने पर भी की सीधी हिंसा का शिकार भी जिलों पर यूनियन के लोग बन रहे हैं।

निष्कर्षत श्रम कानूनों के मध्येनजर यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि ईंट भट्टों पर जमीनी स्तर पर मूल भावना के साथ कोई भी श्रम कानून लागू नहीं किए गए हैं। एक ईंट भट्टा मालिक श्रम कानूनों के प्रावधानों को न लागू कर व श्रमिकों को उनके मूल अधिकारों से वंचित रख, उपर्युक्त गणनाओं के आधार पर लगभग 27800000 रुपए अपनी जेब में भर रहे हैं। जबकि कानून इन पर पूर्णतः श्रमिकों का एकाधिकार बनता है। उपर्युक्त आकड़ा एक भट्टे का एवं एक सीजन का है। इस राशि को यदि हम पूरे

To toggle with the approval or rejection, Click on Re-open icon

- Final
- Proof 1
 - vinod@ankursoft.com : this should be translated into hindi
4:44 PM Today
 - Me: Approved
4:59 PM Today
 - Page 7 Insert After
 - Me : सन
4:19 PM Today
 - Me: Rejected
4:59 PM Today
 - Page 8 Bold
 - Me: Approved
4:59 PM Today
 - Page 11 Pencil
 - Me : grammatical mistake
4:59 PM Today
 - Me: Approved
4:59 PM Today
 - Page 11 Arrow
 - Me : above passage should be placed at last
4:30 PM Today
 - Me: Approved
4:59 PM Today

पीने से नहीं रोकती है बल्कि उसको पीने के लिए पैसे देती है ताकि उससे वो अपनी शारीरिक जरूरतें पूरी कर सकें नहीं तो आदमी इस कार्य में इतना थक जाता है कि वो पड़ते ही सो जाता है ।

श्रमिकों की मजदूरी का बड़ा हिस्सा ठेकेदारों के पास व नजदीक के गांव के झोला छाप डॉक्टर की जेब में जाता है। यह दावे के साथ कहा जा सकता है कि भट्टे पर ना केवल महिलाएं बल्कि पूरा परिवार खून की कमी व कुपोषण का शिकार रहता है। जब श्रमिकों से यह पूछा गया कि आपके पास कौन-कौन से सरकारी विभागों के कर्मचारी आते हैं तो उनका जवाब यह था कि हमारे पास कोई नहीं आता है ? ज

मालिकों से यही सवाल किया तो उनका कहना था कि सीजन में कम से कम एक बार हर विभाग से श्रम, माइनिंग, खाद्य-आपूर्ति, पर्यावरण, स्वास्थ्य, प्रदुषण, टाउन प्लानिंग वाले कर्मचारी आते हैं।

खुब खातिरदारी करते हैं और जाते हुए उनकी जेबें भर देते हैं, वो भी खुश है। ये एक ऐसी तिगड़ी है जिसमें सत्ता, प्रशासन व मालिक तीनों के हित गुथे भट्टा मजदूर यूनियन एक मजबूत संगठन के तौर पर है वहां रेंट के श्रमिकों को दिलाने में कामयाबी मिली है। जिनके लिए बार-बार संघर्ष लड़ने की सीधी हिंसा का शिकार भी जिलों पर यूनियन के लोग बन रहे हैं।

निष्कर्षतः श्रम कानूनों के मध्येनजर यह कहना कोई अति

जमीनी स्तर पर मूल भावना के साथ कोई भी श्रम कानून लागू नहीं किए गए हैं। कानूनों के प्रावधानों को न लागू कर व श्रमिकों को उनके मूल अधिकारों से वंचित रख, उपर्युक्त गणनाओं के आधार पर लगभग 27800000 रुपए अपनी जेब में भर रहे हैं। जबकि कानून इन पर पूर्णतः श्रमिकों का एकाधिकार बनता है। उपर्युक्त आकड़ा एक भट्टे का एवं एक सीजन का है। इस राशि को यदि हम पूरे

Step 7: Once the Proof Reviewing process gets completed, click on 'Completed' to change the task status

Change Task Status

4:58 PM Today

Page 7 Insert After

Me : सन

4:19 PM Today

Me: Rejected

4:59 PM Today

Page 8 Bold

Me: Approved

4:59 PM Today

Page 11 Pencil

Me : grammatical mistake

4:27 PM Today

Me: Approved

4:59 PM Today

Page 11 Rectangle

Me: Approved

4:59 PM Today

Page 11 Arrow

Me : above passage should be placed at last

4:30 PM Today

Me: Approved

4:59 PM Today

Click on the Completed menu to finish the ProofReview task

Dashboard

Projects

Tasks

Search

Reports

Manage

Logs

Tools

पीने से नहीं रोकती हैं बल्कि उसको पीने के लिए पैसे देती हैं ताकि उससे वो अपनी शारीरिक जरूरतें पूरी कर सकें नहीं तो आदमी इस कार्य में इतना थक जाता है कि वो पड़ते ही सो जाता है ।

श्रमिकों की मजदूरी का बड़ा हिस्सा ठेकेदारों के पास व नजदीक के गांव के झोला छाप डॉक्टर की जेब में जाता है। यह दावे के साथ कहा जा सकता है कि भट्टों पर ना केवल महिलाएं बल्कि पूरा परिवार खून की कमी व कुपोषण का शिकार रहता है। जब श्रमिकों से यह पूछा गया कि आपके पास कौन-कौन से सरकारी विभागों के कर्मचारी आते हैं तो उ

Confirm

Are you sure you want to complete the task??

Any editing can't be done after this.

Yes
No

Step 8: Click on yes to confirm completion of the task

मालिकों से यही सवाल किया तो उनका क... बार हर विभाग से जैसे श्रम, माइनिंग, खाद्य-आपूर्ति, पर्यावरण, स्वा... री आते हैं। हम उनकी खुब खातिरदारी करते हैं और जाते हुए उन... भी खुश। दरअसल तो ये एक ऐसी तिगड़ी है जिसमें सत्ता, प्रशासन... न जिलों में लाल झंडा भट्टा मजदूर यूनियन एक मजबूत संगठन... इक्का-दुक्का सुविधाएं श्रमिकों को दिला... सघन लड़न पड़ है। मालिकों व इनके गुंडों की सीधी हिंसा... न बन रहे हैं।

यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं है कि ईंट भट्टों पर जमीनी स्तर पर... नून लागू नहीं किए गए है। एक ईंट भट्टा मालिक श्रम कानूनों के प्रावधान... उनके मूल अधिकारों से वंचित रख, उपर्युक्त गणनाओं के आधार पर लगभग 27800000 रुपए अपनी जेब में भर रहे है। जबकि कानून इन पर पूर्णतः श्रमिकों का एकाधिकार बनता है। उपर्युक्त आकड़ा एक भट्टों का एवं एक सीजन का है। इस राशि को यदि हम पूरे

Final

Proof 1

vimou@ankursoft.com . this should be translated into hindi

4:44 PM Today

Me: Approved

4:59 PM Today

Page 7 Insert After

Me: सन

4:15 PM Today

Me: Rejected

4:59 PM Today

Page 8 Bold

Me: Approved

4:59 PM Today

Page 11 Pencil

Me: grammatical mistake

4:27 PM Today

Me: Approved

4:59 PM Today

Page 11 Rectangle

Me: Approved

4:59 PM Today

Page 11 Arrow

Me: above passage should be placed at last

4:30 PM Today

Me: Approved

4:59 PM Today

A confirmation message appears the cancel the completion process.